



पुणे की चुदासी हेमा-3

“मैं पुणे में जॉब ढूँढने आया था। समय बिताने के लिये एक गार्डन में बैठा था तो अचानक एक बच्ची से खेलते हुए उसकी मम्मी से मुलाकात हो गई, यह मुलाकात हमें किस मुकाम पर ले गई, पढ़िए इस कहानी के तीसरे भाग में... ..”

Story By: (rajjogi153)

Posted: Thursday, April 16th, 2015

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [पुणे की चुदासी हेमा-3](#)

पुणे की चुदासी हेमा-3

हेमा बिल्कुल गरम हो चुकी थी.. हम एक-दूसरे के होंठों का रसपान कर रहे थे। उसकी स्ट्रॉबेरी लिपस्टिक का स्वाद मुझे और पागल बना रहा था। उसकी साँसें और मेरी साँसें एक हो गई थीं। उसने मुझे बिस्तर पर गिरा दिया और मेरे ऊपर आकर मुझे चूमने लगी। वो कभी मेरी जीभ चूसती तो कभी होंठ.. तो कभी मेरे गालों को चूमती.. तो कभी मेरे गले को चूमती।

मैं तो जैसे जन्नत में विचर रहा था। जिन्दगी में पहली बार किसी के साथ चूमा-चाटी कर रहा था, वो पूरी गरम होकर जोश में चूम रही थी और मैं तो इसे अब भी सपना समझ रहा था।

तभी कुछ गिरने की आवाज आई और हम दोनों डर कर अलग हो गए.. देखा तो स्नेहा ने फूलदानी तोड़ दी थी।

हेमा ने मुझे मुस्कराते हुए कहा- अभी खाना खाते हैं बाकी की मूवी ब्रेक के बाद.. और हँसने लगी।

यह सुन कर स्नेहा ने कहा- कौन सी मूवी देख रहे थे आप लोग.. ? मुझे भी देखनी है.. सुन कर हेमा और मैं खूब हँसे और मैंने कहा- मैं तुम्हें मूवी दिखाने जरूर ले जाऊँगा।

फिर हम तीनों ने खाना खाया.. अपनी पसंद का केक खाकर स्नेहा बहुत खुश थी.. उसे खुश देख कर हम दोनों भी खुश थे।

मैंने हेमा को साड़ी वाला गिफ्ट दिया.. उसने मेरी तरफ देखा और आँखें बड़ी की और वो कुछ कहती.. उससे पहले ही मैंने अपनी ऊँगली उसके होंठों पर रख दी और कहा- आज

कुछ मत कहो.. बस ले लो..

उसने मस्ती में कहा- आज तो मुझे तुमसे बहुत कुछ चाहिए..

वो फिर अश्लील भाव से हँसने लगी, आज उसकी हँसी में कुछ और बात थी, जो कि मेरे अन्दर के शैतान को जगाने का काम कर रही थी।

खाना खाने के बाद मैं स्नेहा के कमरे में कार्टून मूवी देख रहा था.. वो जल्दी ही सो गई।

मैं बाहर गया तो देखा हेमा रसोई में काम कर रही थी, मैंने पूछा- तुम क्यों काम कर रही हो ? सारे नौकर कहाँ गए ?

मुस्कराते हुए उसने कहा- मैंने उनको दो दिन की छुट्टी दे दी है.. ताकि हम दोनों को कोई डिस्टर्ब न करे..

वो शरमाते हुए मेरे गले से लग गई।

अब तो मेरे अन्दर का शैतान भी पूरी तरीके से जाग गया था, मैंने हेमा को कस कर पकड़ा.. और उसकी आँखों में देखने लगा.. मानो उसकी आँखें कह रही हों- राज अब देर न करो.. चबा लो मुझे.. खा जाओ..

मैंने उसके दोनों गालों को अपने हाथों से पकड़ा और धीरे से उसकी आँखों को चूमा.. फिर उसके माथे पर चूमा.. फिर उसके गोरे-गोरे गालों को मैं चूमने लगा।

उसकी साँसें अब बहुत तेज हो गई थीं सिहरन के साथ ही उसकी आँखें बंद थीं। उसके होंठ भीगे-भीगे से कांप रहे थे।

मैंने उसके होंठों पर धीरे से अपनी जीभ घुमाई.. उसको जैसे करंट लगा हो, वो और जोश में आ गई और मेरी जीभ चूसने लगी।

कुछ ही पलों के बाद हम दोनों एक-दूसरे को चूसे जा रहे थे.. चाटे जा रहे थे।

करीब 10-15 मिनट तक हम चुम्मा-चाटी करते रहे थे।

हेमा कहने लगी- राज.. मुझे और मत तड़पाओ.. मेरी जन्मों की प्यास बुझा दो.. चोद डालो मुझे.. फाड़ डालो मेरी चूत को।

आप यह कहानी अन्तर्वासना पर पढ़ रहे हैं।

हेमा को मैं 'चोद दो' ऐसा कहते हुए पहली बार सुन रहा था। उसकी ऐसी खुली हुई बातें मुझमें और ज्यादा जोश भर रही थीं।

हेमा को मैंने गोदी में उठाया और चूमते-चूमते बेडरूम में ले गया। वो बिस्तर पर जाके ऐसी बैठ गई.. जैसे कि नई-नवेली दुल्हन सुहागरात मनाने बैठी हो।

वो थोड़ी-थोड़ी सी शरमा भी रही थी, उसका यह अंदाज बहुत ही सेक्सी लग रहा था। मैंने उसकी काली साड़ी का पल्लू हटाया और उसके गोरे-गोरे गले पर चूम लिया। हेमा की सांसें तेज होने लगीं। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।

उसके बड़े-बड़े मम्मे चुस्त ब्लाउज को फाड़ कर बाहर आने के लिए उतावले हो रहे थे।

मैं उसे चुम्बन करने लगा.. मेरा हाथ उसके मम्मों का जायजा लेने लगे।

उफ़.. क्या मम्मे थे.. बड़े-बड़े गोल-मटोल... मैं धीरे-धीरे उसके मम्मों को सहलाने लगा।

उसे बहुत मजा आ रहा था..

मैं धीरे से गले से चूमते हुए उसके मम्मों पर आ गया और ब्लाउज के ऊपर से ही उसके कड़क चूचुकों को चूसने लगा। साथ ही दूसरे स्तन को हाथ से दबाने लगा।

अब वो पूरे जोश में थी और बोल रही थी- आह्ह्ह राज... चूसो इन्हें.. उम्मम्मम..

आह्ह्ह.. और जोर से चूसो.. मैं अब से सिर्फ तुम्हारी हूँ.. मेरी प्यास बुझा दो.. खा जाओ इन्हें.. मम्मम आह्ह्ह्ह...

हेमा अब पूरी गरम हो चुकी थी.. वो मेरा सर अपने मम्मों पर दबा रही थी और सेक्सी आवाजें निकाल रही थी, उसकी इस हरकत से मेरा जोश और बढ़ रहा था। अब मुझसे रहा नहीं जा रहा था, मैंने उसकी पूरी साड़ी और ब्लाउज को निकाल दिया।

वो अब सिर्फ काले रंग की ब्रा और पैन्टी में थी। पैन्टी तो सिर्फ नाम के लिए थी.. बस एक डोर सी बंधी थी जो उसकी रसभरी चूत को ढंकने के त्रिभुज को पकड़े हुए थी।

हेमा बिना कपड़ों के बहुत ही सेक्सी लग रही थी.. मैं उसे फिर से चूमने लगा, उसके होंठों का तो मैं दीवाना था। उसके नाजुक होंठ इतने नरम और कोमल थे कि अगर थोड़ा सा काट लूँ तो फट जाएं।

मैं चूमते-चूमते उसके मम्मों तक आया और एक ही झटके में उसकी ब्रा को अलग कर दिया, उसके बड़े-बड़े दो खरबूजे बाहर आ गए और मैं उन पर टूट पड़ा। एक निप्पल को मैं चूस रहा था और दूसरे को चुटकी में लेकर मसल रहा था।

हेमा अब पूरी तरह मेरे वश में थी और सिर्फ सेक्सी आवाजें निकाल रही थी- आह्ह्ह.. उम्मम्मम्मम्म.. जोर से चूसो इन्हें.. काट डालो.. सी..ई.. ओह्ह्हह्ह.. या बेबी.. उम्मम्म.. पूरा दूध पीलो.. बहुत सताते हैं ये मुझे आह्ह्हह्ह.. कम ऑन बेबी.. आह्ह्हह्ह..

हेमा की ऐसी मधुर सेक्सी आवाज मुझमें और चुदास पैदा कर रही थी। मैंने उसके मम्मों को चूसते-चूसते एक हाथ उसकी चूत पर रखा.. तो जैसे उसे करंट लगा हो।

वो तड़प उठी और कहा- राज अब और ना तड़पाओ.. मेरी चूत की आग बुझा दो.. चोद दो.. इस कुतिया को फाड़ दो।

उसकी चूत पूरी गीली थी.. मैंने उसकी पैन्टी की डोरी खोल कर उसे निकाल दिया और उसकी चूत गीली होने के कारण मेरी हाथों की ऊँगलियां फिसल कर चूत में चली गई।

उसे काफी दर्द हुआ, वो चिल्लाई- साले फाड़ देगा क्या ? कितना दर्द हो रहा है.. आराम से नहीं कर सकता क्या ? बहुत दिनों से नहीं चुदी.. धीरे कर..

मैं भी नया खिलाड़ी था.. पहली बार चिकनी चूत देख रहा था.. तो मैं बेकाबू हो गया था.. बाद में मैंने उसकी जाँघों पर हाथ फहराया और उसकी चूत को चुम्बन किया। एक अजीब सी खुशबू आ रही थी.. मैंने जैसे ही उसकी चूत पर जीभ लगाई उसकी बदन में जैसे लहर दौड़ गई। उसने मेरा सर चूत पर दबा दिया और अपनी टाँगों में मुझे जकड़ लिया।

मैं उसे जीभ से चोदने लगा.. वो मदमस्त होकर मजा उठा रही थी। थोड़ी देर बाद उसने कुछ झटके दिए.. उन्हीं झटकों के साथ उसकी चूत से पानी बाहर आने लगा जो कि मैं पी गया.. काफी अलग स्वाद था.. पर अच्छा लगा।

अब हेमा कहने लगी- राज अब बस भी करो और मत तड़पाओ.. तुम अपना लंड निकालो और घुसा दो.. मेरी चूत में.. मेरी आग बुझा दो..

ऐसा कहते ही उसने मेरी टी-शर्ट और जीन्स उतार दी.. मेरा अंडरवियर खींच कर निकाल फेंका..

इसी के साथ मेरा फनफनाता काला लम्बा मोटा नाग उसके सामने आ गया।

उसे देख कर वो खुश होकर कहने लगी- वाह.. इतना मोटा और लम्बा.. सपने में जो देखा करती हूँ.. ये उससे भी अच्छा है।

मैं उसके सामने अपना मूसल लण्ड लहराने लगा।

आज कहानी को इधर ही विराम दे रहा हूँ, आपकी मदभरी टिप्पणियों के लिए उत्सुक हूँ। मेरी ईमेल पर आपके विचारों का स्वागत है।

Other stories you may be interested in

सात दिन की गर्लफ्रेंड की चुदाई

नमस्कार दोस्तो ... मेरा नाम प्रकाश है. मैं 30 साल का हूँ. मैं मुंबई के पास कल्याण जिले में रहता हूँ. अभी फिलहाल एक प्राइवेट कंपनी में जाँब कर रहा हूँ. मैं आज तक बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स [...]

[Full Story >>>](#)

प्यारी भाभी संग जीवन का पहला सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है. मैं गुजरात में भावनगर से हूँ. हालांकि अब मैं सूरत में रहता हूँ. यह मेरी पहली कहानी है. मुझे लिखना नहीं आता है, इसलिए थोड़ा ऊपर नीचे हो जाए, तो मुझे मेल करके जरूर [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी की कुंवारी बहन की सीलतोड़ चुदाई

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा प्रणाम, मेरा नाम पंकज सिंह है. मैं पिछले 3 साल से दिल्ली में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र अभी 24 साल है. मेरा कद 5 फुट 9 इंच है. मैं गोरे रंग का [...]

[Full Story >>>](#)

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. [...]

[Full Story >>>](#)

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1

दोस्तो, मेरा नाम ऋतु है, ऋतु वर्मा, सरनेम पर मत जाइए, मैं एक बंगाली लड़की हूँ। उम्र है 24 साल, लेकिन ब्रा मैं 38 साइज़ का पहनती हूँ। देखा 38 साइज़ सुनते ही मुंह में पानी आ गया न आपके। [...]

[Full Story >>>](#)

